# योगी के प्रतापगढ़ शेल्टर होम से भी 23 बच्चियां गायब, देवरिया कांड की जांच सीधे हाईकोर्ट की देखरेख में

**अरविंद गिरि की रिपोर्ट**

**भाजपा प्रदेश प्रवक्ता और देवरिया से सांसदी लड़ने की तैयारी में लगे शलभ मणि त्रिपाठी देवरिया के शेल्टर होम की मालकिन गिरिजा त्रिपाठी की बेटी और शेल्टर होम अधिक्षिका से हो चुके हैं सम्मानित, प्रतापगढ़ की बालिका गृह की संचालिका है भाजपा महिला प्रकोष्ठ की नेता।**

**कोर्ट ने पूछा योगी सरकार से देवरिया बाल गृह के इतने बड़े अमानवीय कृत्य में सिर्फ चार अधिकारियों पर ही कार्रवाई क्यों, जबकि इसमें नपने चाहिए और कई लोग।**

देवरिया में 18 बच्चियां गायब होने के अलावा उत्तर प्रदेश के ही प्रतापगढ़ के दो आश्रय गृहों से 26 महिलाएं गायब होने का खुलासा हुआ है। यहां के अष्टभुजानगर और अचलपुर में चल रहे आश्रय गृहों में डीएम ने छापा मारा था, यहां देर रात तक केवल छह महिलाएं ही मिलीं। आश्रय संचालिकाओं से मामले की पूछताछ की जा रही है।

गौर करने वाली बात है कि अष्टभुजानगर स्थित जागृति महिला स्वाधार आश्रय की संचालिका रमा मिश्रा 2013 में भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष व सभासद रह चुकी हैं। वह तीन साल से भी अधिक समय से महिला आश्रय का संचालन कर रही हैं।

गौरतलब है कि प्रतापगढ़ के अष्टभुजानगर में जागृति स्वाधार महिला आश्रय है। यहां जिलाधिकारी शंभु कुमार ने छापा मारा था। इस दौरान संचालिका ने आश्रय में रहने वाली महिलाओं की संख्या 16 बताई थी, मगर मौके पर केवल एक महिला रजिया ही मिली थी। अन्य महिलाओं के बारे में संचालिका रमा मिश्रा ने बताया था कि वह काम करने के लिए बाहर गई हैं।

प्रशासन रात तक महिलाओं का इंतजार करता रहा, मगर रात करीब दस बजे कोई महिला नहीं आई। एसडीएम सदर एसपी सिंह दलबल के साथ आश्रय पहुंचे, जहां तीन महिलाएं ही मिलीं। रजिस्टर में महिलाओं की संख्या 16 से बढ़कर 17 कर दी गई। 14 महिलाएं आश्रय से गायब मिलीं। महिलाओं के न होने पर संचालिका ने सफाई दी कि महिलाएं नहीं लौटी हैं। उनकी तलाश की जा रही है। इसी तरह अचलपुर में चल रहे आश्रयगृह में 15 में से सिर्फ तीन महिलाएं रात तक जांच टीम को मिली, जबकि 12 महिलाओं की कोई खबर नहीं थी।

वहीं देवरिया नारी संरक्षण गृह कांड की सीबीआई जांच की मॉनिटरिंग अब इलाहाबाद हाईकोर्ट करेगा। ऐसा कदम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए उठाया है। संरक्षण गृह में रहने वाली बच्चियों/लड़कियों को सेक्स रैकेट में शामिल होने की घटना को लेकर अदालत के तेवर काफी सख्त हैं। कोर्ट ने योगी सरकार को कड़े शब्दों में निर्देश दिया है कि वह उन लोगों का जल्द से जल्द पता लगाए जो सेक्स रैकेट चलाने वालों को संरक्षण दे रहे हैं। साथ ही कोर्ट ने योगी सरकार और सीबीआई को इसमें पूरी जानकारी 13 अगस्त को उपलब्ध कराने का आदेश दिया है।

**देवरिया आश्रय गृह में सेक्स रैकेट चलाए जाने वाले मामले की सुनवाई मुख्य न्यायमूर्ति डीबी भोसले और न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की पीठ कर रही है। कोर्ट ने योगी सरकार से सवाल किया है कि जब नारी निकेतन को सरकारी मदद बंद कर ब्लैक लिस्ट कर दिया गया था तो फिर पुलिस लड़कियों को वहां क्यों भेजती रही। साथ ही वे दो कारें किसकी थीं, जो रात में वहां से लड़कियों को लेकर जाती थीं और सुबह वापस छोड़ जाती थीं।**

देवरिया शेल्टर होम में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कोर्ट ने कहा कि इतने बड़े अमानवीय कृत्य में सिर्फ चार पुलिस अधिकारियों पर शासन ने कार्रवाई की है, जो बहुत कम है जबकि इसमें और कई लोग नपने चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता शलभ मणि त्रिपाठी का गिरिजा त्रिपाठी की बेटी कंचनलता त्रिपाठी ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया था। शेल्टर होम के दोषियों में कंचनलता की प्रमुख भूमिका है। संस्था को कद्दावर स्थिति में पहुंचाने के लिए कोई कसर न छोडते हुए आश्रय गृह प्रबंधन ने भाजपा प्रवक्ता शलभमणि त्रिपाठी का बालगृह में स्वागत कर सरकार की योजनाओं में सहभागिता दी थी।

देवरिया बालिका आश्रय गृह की 18 लड़कियों का अभी तक कोई सुराग नहीं है। इनमें बनकटा ब्लाक के खुरवसिया की लडकी भी शामिल है। उसका अब तक कोई पता नहीं चल रहा है। लड़की के पिता अखबार पढकर अपनी बेटी से मिलने बाल गृह पहुंचे तो वहां का नजारा बदला हुआ देखकर हतप्रभ हुए और तत्काल पुलिस कप्तान रोहन पी कन्यप से मिले, जिस पर पुलिस कप्तान ने उन्हें आश्वस्त किया कि आपकी बेटी बहुत जल्द सुरक्षित मिल जायेगी। मगर गायब लड़की के पिता ने शासन—प्रशासन और पुलिस की गिरिजा त्रिपाठी के साथ आपसी सांठ गांठ का आरोप लगाया है।

**योगी की मुस्कराहट के लिए राहु-केतु न सिद्ध हो सीबीआई जांच की आहट**

बरहज ब्लॉक के एक गांव की लड़की किसी लड़के के साथ घर से भाग गई थी, जिस पर पुलिस ने लड़की की गिरफ्तारी के बाद मेडिकल कराने के लिए बालगृह में रखा था। उस लड़की के पिता ने आरोप लगाया है कि दस दिनों के दौरान मैं वहां आठ बार गया हूँ, परन्तु संचालिका और अधीक्षिका ने मुझे एक बार भी बेटी से नहीं मिलने दिया। ये लोग मेरे द्वारा भेजे गये सामान तक को मेरी बेटी तक नहीं पहुंचाते थे, हमेशा तानाशाही करती थीं।

तरकुलवा ब्लॉक के एक गांव की लड़की का मेडिकल परीक्षण कराकर पुलिस ने गिरिजा त्रिपाठी के बालगृह में छोड़ दिया और दूसरे दिन न्यायालय में बयान देने के बाद लड़की पुलिस कस्टडी से फरार हो गई। इस पर संचालिका गिरिजा त्रिपाठी ने किसी को कोई सूचना नहीं दी।

शासन में ऊपर तक पकड़ रखने वाली गिरिजा त्रिपाठी 25 वर्षों में करोड़ों की मालकिन बन गई। मजे की बात यह है कि एक ही रजिस्ट्रेशन और रजिस्टर से चार सेंटर गिरिजा त्रिपाठी अपनी लड़कियों कनकलता त्रिपाठी, कंचनलता त्रिपाठी और बहू से संचालित करवा रही थीं। इनमें बाल गृह स्टेशन रोड देवरिया, वृद्धाश्रम भुजौली कालोनी, तलाक और विधवा जमुना सलेमपुर और बाल गृह मोहद्दीपुर गोरखपुर शामिल हैं।

देवरिया शेल्टर होम में देह व्यापार का खुलासा करने वाली बच्ची की मां अब सामने आ गई है, जिससे इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है। बालिका गृह से भागकर देह व्यापार का खुलासा करने वाली बच्ची की मां जो कि बेतिया की रहने वाली है, ने बताया कि यह बच्ची उसकी है। उसके पास बतौर सबूत अपनी बच्ची का आधार कार्ड भी था। जबकि पुलिस का कहना था कि बच्ची की उसकी मां के मरने के बाद उसकी नानी रेलवे ट्रैक पर उसे छोड़ गई थी, जिसके बाद जीआरपी ने उसे गिरिजा त्रिपाठी के बालिका गृह में दाखिल कर दिया था।

**पश्चिमी चंपारण जिले के बैरिया थाना क्षेत्र के सिसवां की रहने वाली ज्ञानती आज 8 अगस्त की सुबह अपनी एक बेटी के साथ देवरिया आई। यहां से वह सीधे बाल सदन पर पहुंची, जहां उसे उसकी बच्ची से नहीं मिलने दिया गया। इसके बाद वह स्टेशन रोड पर संचालित बालिका गृह के भवन के पास पहुंच कर रोने लगी। मामले की जानकारी होते ही लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों के पूछने पर उसने बताया कि उसकी बेटी अनीसा करीब ढाई माह पूर्व घर से गायब हो गई थी। उसने इसकी तहरीर बैरिया थाने में दर्ज कराने के साथ ही अपने स्तर से काफी खोजबीन भी की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। टीवी पर अपनी बेटी को देखने के बाद वह देवरिया आई है। अपने दावे की पुष्टि के लिए वह उसका आधार कार्ड अपने साथ लेकर आई थी।**

— लड़की के बयान के बाद छापा 5 अगस्त की रात को पढ़ा लेकिन उसके एक हफ्ते पहले क्या हुआ था पुलिस और गिरिजा त्रिपाठी के बीच?

— बयान देने वाली बच्ची बिन मां के है और उसे नानी ने रेलवे ट्रैक पर छोड़ दिया था, जिसे प्रशासन ने खुद मां विंध्यवासिनी शेल्टर हाउस में रखवाया था, तो फिर बिहार की वो औरत कौन है जो उसे अपनी बच्ची बता रही है और उसका आधार कार्ड भी दिखा रही है?

— छापा पड़ने के पहले ही संचालिका ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पुलिस पर आरोप क्यों और किस चीज का लगाया था?

— क्या पहले से प्रशासन का शेल्टर हाउस रिप्लेस करने या बन्द करने का संचालिका पर कोई दबाव था या नहीं?

— गाड़ियों से आने वाले वो सफेदपोश कौन थे? उनके नाम सामने अभी तक नहीं आये?

— जब 2017 में इस संस्था की मान्यता रद्द कर दी गई थी तो प्रशासन खुद अनाथ, बेसहारों और घर छोड़ के भागी लड़कियों को बरामद करने के बाद यहीं क्यों रखवाता था?

— जब प्रशासन खुद इस NGO की सहायता ले रहा था तो 2 सालों से इसका फण्ड क्यों रुका था?


FASHION.IN

Available all types of ladies cotton kurties, Fancy Kurties, Jegin, legin, Fancy Top, T-Shirts, Trousers and imported material in wholesale price.

SPECIALITY IN FANCY TOP & FANCY KURTIES

लेडीज कपड़ों पर भारी छूट
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

Address : 5M/22, N.I.T. FARIDABAD NEAR DAYANAND WOMEN COLLEGE, ST. JOSEPH CONVENT SCHOOL ROAD . 9911489490


## गतांक की चीर-फ़ाड़

**डॉ. जुगल किशोर गुप्ता**

# भाजपा को कबीर की जायदादें चाहिये न कि सांझी संस्कृति

**मज़दूर मोर्चा के 5-11** अगस्त 2018 के अंक में अनेक महत्वपूर्ण समाचार, ज्वलंत मुद्दों पर सटीक विश्लेषण तथा समीक्षा प्रकाशित हुए हैं। केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने के बाद से भाजपा शासित राज्यों में गौ-तस्करी व गौ-हत्या के नाम से संघ परिवार से संबन्धित तथाकथित गौ-रक्षकों द्वारा अपनी आर्थिक हितों की पूर्ति के लिये मॉब लिंचिंग करके इंसानों की हत्या की जा रही है।

एक आरोपी खुफ़िया कैमरे के सामने दावा कर रहा है कि उसने भीड़ के साथ मिलकर हापुड़ में गौ-हत्या करने पर कासिम कुरैशी को पीट-पीट कर मार डाला तथा वह पुलिस से भी अपने सम्पर्क होने का दावा कर रहा है। पहलू खान, कुरैशी आदि की हत्या के आरोपियों को जमानत आसानी से मिल जाती है और बाहर आने के बाद उनका फूल मालाओं से स्वागत किया जाता है। 'गौ-तस्करी करते हुये रंगे हाथ धरा गया बजरंग दल कार्यकर्ता' से खुलासा होता है कि गौ-तस्करी के लिये देश भर में हंगामा खड़ा करने वाले बजरंग दल के एक कार्यकर्ता शशि कुमार और उसके सहयोगी ड्राइवर अब्दुल हरीश को गौ-तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इन गौ-भक्तों द्वारा संचालित गौ-शालाओं की भी बड़ी दुर्दशा है जिसकी ओर इनका कोई ध्यान नहीं जाता जहां आये दिन भारी संख्या में गायें तड़प-तड़प कर मरी जा रही हैं जिनका **'जेलनुमा गौ-शालाओं में हो रही है गौ-हत्या, 146 गायें बल्लबगढ़ में मृत, सीएम सिटी भी पीछे नहीं'** में उज़ागर किया गया है। वास्तव में यह सब कार्यवाही संघ परिवार द्वारा संचालित गौ-राजनीति के जरिये चुनावी ध्रुवीकरण करने का प्रयास है।

**बिहार के शर्मनाक मुज़फ़्फ़रपुर कांड की परतें खुलने के साथ ही उत्तर प्रदेश के देवरिया के शेल्टर होम में भी लड़कियों से जबरदस्ती वेश्यावृत्ति कराये जाने का खुलासा हुआ है। इन घटनाओं से सामने आया है कि लड़कियों से यौन-शोषण के काले कारनामे स्थानीय प्रशासन राजनीतिक पहुंच व पुलिस की मिली भगत से शेल्टर होम के संचालकों द्वारा किये जाते थे। 'मुजफ़्फ़रपुर की घटना राष्ट्रीय शर्म का विषय है' तथा 'नीतीश कुमार और मोदी के राज में लड़की नहीं बचेगी' में मुजफ़्फ़रपुर शेल्टर होम के संचालक ब्रजेश ठाकुर द्वारा लड़कियों से किये जा रहे बलात्कार तथा ठाकुर द्वारा संचालित समाचार पत्रों के माध्यम से सरकार व प्रशासन से स्थापित संबंधों तथा समाज कल्याण मंत्री मंजू वर्मा के पति चंदेश्वर वर्मा के बीच सांठगांठ की पोल खोली गयी है। जांच एजेंसी के प्राप्त दस्तावेज़ों व ठाकुर के टेलिफ़ोन रिकार्ड से भी ठाकुर व चंदेश्वर शर्मा के बीच सीधे संबंध होने से संकेत मिले हैं।**

जब प्रधानमंत्री योगी के उद्योगपतियों के साथ संबंधों को लेकर तंज कसा जाता है तो इसका अर्थ मोदीजी के दो-तीन उद्योगपतियों जैसे अडाणी, अम्बानी आदि के साथ सम्बन्धों से होता है। परंतु मोदीजी इस व्यंग्य को बड़ी खूबसूरती से बदलकर इस तरह से पेश करते हैं कि जैसे विपक्ष यह कहता है कि प्रधानमंत्री को उद्योगपतियों के साथ दिखना ही नहीं चाहिये । इन आरोपों का जवाब न देकर मोदीजी अपनी छवि को महात्मा गांधी और बिड़ला जी के संबंधों की छवि के पास ले जाते हैं जिसका विश्लेषण 'मोदी-झूठ के साक्षी बने अमर सिंह से मेहुल भाई तक' में किया गया है। विडम्बना है कि मोदीजी ने अपने भाषणों में अपने झूठ का गवाह बनाया विदुषक अमर सिंह को जो अपने आपको दलाल कहने में ज़रा सा भी नहीं हिचकता तथा गुजरात के हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को जो पंजाब नेशनल बैंक का करोड़ों रुपयों कर्ज़ लेकर विदेश भाग गया।

**जनवरी 2017 में आयकर विभाग द्वारा हीरा व्यापारी नीरव मोदी के घर व दफ़्तरों पर छापेमारी के दौरान जब्त दस्तावेजों से कथित तौर पर कर चोरी का मामला सामने आ गया था। तथा मार्च 2017 में उनकी डायमेंड कंपनी गीतांजलि जेम्स के ऑडिटर ने चेता दिया था कि गीतांजलि जेम्स ने एलआईसी के कर्ज़ भुगतान में डिफाल्ट किया है तो भी प्रधानमंत्री मोदी ने भरी सभा में मेहुल चोकसी को मेहुल भाई से संबोधित किया था जिसका 'खबर ( दार ) झरोखा-नीरव मोदी और मेहुल चोकसी को भगाने में मोदी सरकार का हाथ' में पूरा चिट्ठा खोला गया है। गौरतलब है कि एंटीगुआ प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहुल चोकसी ने एंटीगुआ देश की नागरिकता के लिये मई 2017 में आवेदन किया था और भारतीय विदेश मंत्रालय के स्थानीय पासपोर्ट कार्यालय से पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ था, जबकि उस समय भी गीतांजलि जेम्स के मालिक मेहुल चोकसी पर गम्भीर आर्थिक आरोप लाये जा चुके थे। उल्लेखनीय है कि भारत और एंटीगुमा के बीच कोई प्रत्यर्पण संधि नहीं है जिस कारण चौकसी को भारत लाना मुश्किल लगता है।**

भक्ति काल के संत कबीर ने सदैव निर्गुण भक्ति व हिन्दू मुस्लिम एकता में विश्वास रखा तथा मूर्ति पूजा का खंडन किया। उन्होंने दोनों धर्मों के प्रचलित अंधविश्वास, खोखले रीति-रिवाज व आडम्बर की आलोचना की। कबीर की सोच व आरएसएस की हिन्दुत्व की विचारधारा मेल नहीं खाती। परन्तु प्रधान मंत्री मोदी उनके जन्म दिवस पर जन्म स्थली वाराणसी कबीर चौरा की बजाये उनकी निर्वाण स्थली मगहर में आयोजित समारोह में गये और वहां भाषण भी दिया।

'मोदी-योगी के आशीर्वाद से मगहर को निगल जाना चाहते हैं भाजपा के अजगर', जालसाजी में जेल की हवा खा चुके संत से खुशी-खुशी मिले मोदी' भाजपाइयों की मदद से सहजवा कबीर मठ पर नटवर लाल का कब्जा', मोदी ने लटका रखी हैं कबीर जन्म स्थल विकास की परियोजनायें, 'लुच्चे-लफ़ंगों का ही कब्ज़ा है मठ-मंदिरों पर' तथा 'संत कबीर के नाम पर एनजीओ बनाकर धंधा करते हैं भाजपा सांसद' से मोदी व योगी सरकार तथा भाजपा की असली मंशा खुलकर सामने आई है कि संत कबीर से संबंधित जायदाद पर कब्ज़ा करना चाहते हैं और उनका कबीर की शिक्षाओं से कोई लेना-देना नहीं है। गरीबों के हितों की लड़ाई लड़ने के नाम पर अमीर हो जाने पर 'एक बात मुझे समझ नहीं आई! जो गरीबों के लिये लड़ते हैं, वो लड़ते-लड़ते अमीर कैसे हो जाते हैं।',

मीडिया मालिकों द्वारा सरकार के दबाव में मीडिया पर नकेल डाले जाने पर 'इंडिया-वोटर', नौकरियां न दे पाने पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बेरोजगारों को पकौड़े तलने के लिये कहने तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान द्वारा कुछ साधु-संतों को मंत्री पद देने पर 'तुम पकौड़े तलो-हम मंत्री बनेंगे' तथा पाकिस्तान के भावी प्रधानमंत्री इमरान खान व प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपनी-अपनी डींगे हांकने पर 'मैने 3 को छोड़ा, मैंने एक को छोड़ा-मैंने कप जीता है-मैंने कप धोया है-मैं भाग कर फ़ेंकता था, मैं फेंक कर भाग जाता हूं' कार्टूनों द्वारा मोदी की नीतियों पर समीचीन तंज कसा गया है।